भजनलाल सरकार के आने के बाद निर्यात में निरंतर वृद्धि हुई

''कॉन्क्लेव ऑन स्पाइसेज़'' के आयोजन से मसाला उत्पादन व निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

जयपुर, 13 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के निर्यात सेक्टर का निरंतर विकास हो रहा है तथा कुल निर्यात में भी वृद्धि हुई है। डीजीसीआई, भारत सरकार द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में ही राजस्थान से 50 हजार 900 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ है। राज्य से वर्ष 2024-25 में कुल 97 हजार 171 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ, जो वर्ष 2023-24 के कुल निर्यात 83 हजार 704 करोड़ रुपये की तुलना में 13 हजार 467 करोड़ रुपये अधिक है। राजस्थान की पांच प्रमुख निर्यातक वस्तुओं में इंजीनियरिंग वस्तुएं, रत्न एवं आभूषण, धातु, वस्त्र तथा हस्तशिल्प प्रमुख है, जिनका राज्य के निर्यात में 67 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।

आर्थिक समीक्षा 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान से कपड़ा निर्यात वर्ष 2024-25 में 9 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जबकि वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 8 हजार 819 करोड़ रुपये था। वहीं, रत्न एवं आभूषण सेक्टर का वर्ष 2024-25 में 17 हजार 567 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात था। यह आंकड़ा वर्ष 2023-24 में 11 हजार 183 करोड़ रुपये रहा। अभियांत्रिकी सेक्टर से वर्ष 2024-25 में 19 हजार 849 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात किया गया। बजट 2026-27 में प्रदेश में मसाला उत्पादन तथा निर्यात को बढ़ावा देने की दृष्टि से आगामी वर्ष राष्ट्रीय स्तर के 'कॉन्क्लेव ऑन स्पाइसेज' का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **राजस्थान से मुख्यतया इंजीनियरिंग वस्तुओं, रत्न व आभूषण, धातु, वस्त्र व हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्यात होता है। इन सभी श्रेणियों में मुख्यमंत्री भजनलाल की सरकार आने के बाद उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।**

हरदीप पुरी पर शिकंजा कस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे इन्टरव्यू की शृंखला का मजाक उड़ाया। उन्होंने खास तौर पर पुरी के उस दावे का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक समय पर उन्हें पता ही नहीं था कि वे कहां जा रहे हैं और वे यह भी नहीं जानते थे कि एप्स्टीन अपराधी है। खेड़ा ने इस बात को बहुत बचकाना बताया।

पवन खेड़ा ने पुरी द्वारा कही गई इस बात का लेकर भी उन पर मला बोला कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि उन्होंने उन गतिविधियों में हिस्सा नहीं लिया और सिर्फ एप्स्टीन से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पूरे देश को बच्चों और महिलाओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यह सवाल उठाना चाहिए कि जो मंत्री बार-बार बच्चों का शिकार करने वाले यौन अपराधी से मिलता रहा, वह अब भी पद पर कैसे बना हुआ है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने पूछा कि पुरी 2014 से 2016 के बीच अमेरिका में किस हैसियत से और किसके निर्देश पर एप्स्टीन से मिल रहे थे। उन्होंने बताया कि उस समय पुरी केवल सेवानिवृत्त विदेश सेवा अधिकारी थे और उनके पास कोई आधिकारिक पद नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि उसी समय अमेरिका में तीन भारतीय राजदूत तैनात थे, लेकिन उनमें से कोई भी एप्स्टीन से नहीं मिला। उन्होंने सवाल किया कि पुरी किसके आदेश पर यह काम कर रहे थे।

खेड़ा ने आरोप लगाया कि एप्स्टीन देश की विदेश नीति को भी प्रभावित कर रहा था। उन्होंने एप्स्टीन के एक ईमेल का जिक्र किया, जिसमें उसने मध्य पूर्व में हो रही घटनाओं पर नाराजगी जताई थी और कहा था कि इस विषय पर उसकी (एप्स्टीन की) ''पक्की राय'' है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह ईमेल उस समय का हो सकता है, जब फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास भारत आए थे, जिससे एप्स्टीन नाराज़ हो गया था। उन्होंने सवाल किया कि क्या इसी नाराज़गी के कारण बाद में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी गलती सुधारने के लिए इज़राइल का दौरा किया था?

खेड़ा ने कहा, इससे लगता है कि हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री नहीं चला रहे थे और न ही ''जेम्स बॉन्ड डोभाल'', बल्कि अमेरिका में बैठा एक यौन अपराधी इसे चला रहा था।'' उन्होंने बताया कि उस समय सुषमा स्वराज विदेश मंत्री थीं, लेकिन उनका नाम एप्स्टीन की फाइलों में कहीं नहीं था।

उन रिपोर्टों का जिक्र करते हुए कि पुरी ने एप्स्टीन से ''डिजिटल इंडिया'' परियोजना पर चर्चा की थी, कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह चर्चा उस समय हुई, जब देश के लोगों को इस योजना के बारे में जानकारी भी नहीं थी। उन्होंने पूछा कि आधिकारिक घोषणा से पहले पुरी ने किस अधिकार से एप्स्टीन से डिजिटल इंडिया पर बातचीत की।

कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पुरी ने अपने इंटरव्यू और प्रेस कॉन्फ्रेंस में बार-बार झूठ बोला है। उन्होंने पुरी के इस दावे का जिक्र किया कि उन्होंने कभी एप्स्टीन से मिलने का समय नहीं मांगा। उन्होंने उन ईमेल का हवाला दिया, जिनमें पुरी बार-बार यह पूछते नज़र आ रहे हैं, जैफ, अगर आप शहर में हों तो क्या मैं आपसे मिल सकता हूं?''

खेड़ा ने कहा कि एप्स्टीन से जुड़े दस्तावेजों में बहुत कुछ छिपा हुआ है, जिससे मोदी डरे हुए हैं।

उन्होंने कहा, पहले भाजपा का नारा ''घर-घर मोदी'' था और अब यह डर के मारे ''थर-थर मोदी'' बन गया है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरीके से हैंडल किया गया, उसे लेकर मोदी के चेहरे और आंखों में डर साफ दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने भरोसा जताया कि समय आने पर सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा, ''सच्चाई सामने आने का अपना तरीका होता है और वह सामने आएगी।''

सूत्रों का कहना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। आगे कई और खुलासे हो सकते हैं और इससे प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के लोगों के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

- **कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, पुरी बार-बार झूठ बोल रहे हैं कि उन्होंने कभी भी एप्स्टीन से मुलाकात का टाइम नहीं मांगा, जब कि एक ई-मेल में उन्होंने खुद एप्स्टीन से समय मांगा था।**

बांग्लादेश के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने नतीजों की घोषणा टाल दी है।

बीबीसी बांग्ला के अनुसार, चटगांव-2 से सरवर आलमगीर और चटगांव-4 से असलम चौधरी, दो बीएनपी उम्मीदवार, जिन्होंने अनौपचारिक रूप से जीत दर्ज की है, को ऋण मामले में अदालत में उनकी अपील का निपटारा होने तक विजेता घोषित नहीं किया जाएगा।

तीन दशकों में पहली बार अवामी लीग का चुनाव चिन्ह ''नाव'' मतपत्रों पर मौजूद नहीं था। 2024 के प्रदर्शनों के बाद, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था और इसके बाद, चुनाव आयोग ने उसका रजिस्ट्रेशन भी निलंबित कर दिया था। हसीना, जो सत्ता से हटाए जाने के बाद से दिल्ली में हैं, ने इन चुनावों को ''अवैध'' बताया।

प्र.मंत्री मोदी पर ट्रंप की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आप इसे किसी और तरह से लें। मैं उनका राजनीतिक करियर नष्ट नहीं करना चाहता, लेकिन आपको समझना होगा कि मैं वर्षों से भारत को देख रहा हूं। मेरा मित्र अब वहाँ लंबे समय से है।

रूस के साथ व्यापार और द्विपक्षीय संबंधों पर आगे बोलते हुए जायसवाल ने कहा, ''रूस और भारत के बीच व्यापार से लेकर लोगों के बीच सांस्कृतिक संपर्क, रक्षा सहयोग और अन्य सभी क्षेत्रों में निरंतर संवाद और सहयोग जारी है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के ये सभी पहलू आगे भी बढ़ते रहेंगे।''

इस बीच, यू.एस. फैक्टशीट (तथ्यपत्र) पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर संयुक्त राज्य अमेरिका की फैक्टशीट में हाल ही में किए गए संशोधन इस विषय पर दोनों देशों के बीच ''साझा समझ'' को दर्शाते हैं।

डील पर वाइट हाउस फैक्टशीट में किए गए बदलावों के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि अंतरिम समझौते के ढांचे पर जारी संयुक्त वक्तव्य ही दोनों पक्षों के बीच आपसी समझ का आधार बना हुआ है।

उन्होंने कहा, ''जैसा कि आप जानते हैं, परस्पर और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार पर अंतरिम समझौते के ढांचे के संबंध में भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य 7 फरवरी 2026 को जारी किया गया था। यह संयुक्त वक्तव्य ही ढांचा है और इसी पर हमारी आपसी समझ आधारित है। अब दोनों पक्ष इस ढांचे को लागू करने और अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में कार्य करेंगे।''

उन्होंने आगे कहा, अमेरिकी फैक्टशीट में किए गए संशोधन संयुक्त वक्तव्य में निहित पारस्परिक समझ को दर्शाते हैं।

यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया है, जिनमें अमेरिकी दस्तावेज़ में किए गए उन संशोधनों को उजागर किया गया था, जो पहले भारतीय पक्ष द्वारा जारी बयान से भिन्न बताए जा रहे थे।

जीत मिलते ही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शेख हसीना अब भारत के लिए पहले जैसी रणनीतिक संपत्ति (असैट) नहीं रहीं और अतीत का बोझ अधिक लगती हैं, फिर भी उन्हें सौंप देना भारत की छवि को आघात पहुंचा सकता है, क्योंकि माना जाता है कि वह संकट की घड़ी में अंतिम विश्वसनीय शरणस्थली है। इसके अलावा, यदि भारत इस मांग को मान लेता है तो इससे बांग्लादेश की कूटनीतिक स्थिति भी कई गुना मजबूत हो सकती है। भारत के लिए यह जोखिम उठाना आसान नहीं होगा। नई सरकार ने जल संसाधनों के पुराने मुद्दे को भी फिर से उठाया है। बाँग्लादेश के संभावित विदेश मंत्री ने तीस्ता और पद्मा नदियों के जल में ''न्यायोचित हिस्सेदारी'' का दावा किया है। नदी जल बंटवारा दोनों देशों के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है, हालांकि बरसात के मौसम में बाढ़ दोनों ओर समस्या पैदा करती है। नई नेतृत्व टीम ने भारत के सीमा सुरक्षा बल द्वारा कथित रूप से बांग्लादेशी नागरिकों की हत्या के मुद्दे को भी जोर-शोर से उठाया है। दोनों देशों ने पहले भी एक-दूसरे पर ऐसे आरोप लगाए हैं। भारत ने भी सीमा पर भारतीय नागरिकों पर हमलों की शिकायत की है, यहां तक कि भारतीय क्षेत्र में हमलों के आरोप भी लगाये हैं। संक्षेप में, बीएनपी के नए नेता उसी स्वर में बोलते दिखाई दे रहे हैं, जो अक्सर एक छोटे पड़ोसी देश के नेतृत्व से सुनाई देता है, आपसी सम्मान और समानता पर आधारित संबंधों की मांग। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि दोनों देशों को बराबरी के आधार पर संवाद करना चाहिए।

कांग्रेस तेलंगाना की 64 नगरपालिकाओं में जीत के करीब

हैदराबाद, 13 फ़रवरी। तेलंगाना नगर निगम चुनाव में 116 नगर पालिकाओं के 2,582 वार्डों के नतीजे आ गए हैं। इनमें से सबसे ज्यादा कांग्रेस ने 1347 वार्ड और 64 नगर पालिकाओं पर जीत दर्ज की। वहीं, भारतीय राष्ट्र समिति ने 717 वार्ड और 13 नगर पालिकाओं पर जीत हासिल की, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने 261 वार्ड और निर्दलीयों ने 256 वार्ड जीते। इसी तरह 38 नगर पालिकाओं में किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने से त्रिशंकु चुनाव हुआ। हालांकि अभी आधिकारिक नतीजे नहीं आये हैं।

जिलेवार नतीजों के अनुसार ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने महबूबनगर जिले की वड्डेपल्ली नगर पालिका जीती। जगित्याल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जीवन रेड्डी के समर्थकों ने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा और ज़्यादातर सीटें जीतीं। नारायणपेट जिले की मकतल नगर पालिका का 6वां वार्ड (एसटी) के लिए आरक्षित किया गया है। यहां भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने वाले एरुकला महादेवप्पा ने आत्महत्या कर ली थी। इस वजह से वहां मतदान नहीं हुआ। राज्य चुनाव आयोग दो दिन में इस पर फैसला लेगा। मकतल नगपालिका के कुल 16 वार्ड में से कांग्रेस ने 12 और भाजपा ने 3 सीटें जीतीं।

- **भारतीय राष्ट्र समिति 13 नगर पालिकाएं जीतती लग रही है व 38 में किसी को बहुमत नहीं मिला**

हाथियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंदर घुसकर लोगों को कुचला।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। इस क्षेत्र में हाथियों का झुंड एक माह पहले से विचरण कर रहा था। इसे लेकर वन विभाग लोगों को समय-समय पर अलर्ट भी कर रहा था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908